Raj Express (Indore), 20th October 2020, Page-12 (Front page-2)

वर्चुअल उद्घाटन केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने किया, कई स्ट्रीम का पहला बैच हुआ शामिल

आईआईटी इंदौर ने 8 वें दीक्षांत समारोह में 412 डिग्री प्रदान की

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

· आईआईटी इंदौर का 8वां दीक्षांत समारोह सोमवार को मनाया गया। विभिन्न विषयों और पाठ्यक्रमों में स्टूडेंट्स को कुल 412 डिग्री प्रदान की गई। पीएचडी स्टूडेंट्स के बीच आनंद पीटारे संस्थान के पहले कर्मचारी सदस्य थे, जिन्होंने संस्थान स्टाफ श्रेणी के तहत अपनी पीएचडी पूरी की। आईआईटी इंदौर के इतिहास का यह पहला मौका है जब किसी कर्मचारी ने सदस्य ने पीएचडी की डिग्री पूरी की है। संस्थान की ओर से दीक्षांत समारोह में उन्हें सम्मानित किया गया। दीक्षांत समारोह में केंद्रीय विद्यालय, कम्प्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र, केंद्रीय कार्यशाला, अभिनंदन भवन और तक्षशिला लेक्चर हॉल का वर्चुअल उद्घाटन केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने किया।

कई स्ट्रीम का पहला बैच भी शामिल

यूजी करने वाले स्टूडेंट्स में से 233 बीटेक, एमएससी में 58, एमटेक में 57, एमएस में 6 और 58 पीएचडी हैं। बीटेक में सिविल इंजीनियरिंग और मेटलर्जी इंजीनियरिंग एंड मैटेरियल्स साइंस में यूजी करने वाले 34 और 31 बीटेक स्टूडेंट्स का पहला बैच भी शामिल हुआ। एमटेक स्टूडेंट्स में मैकेनिकल सिस्टम डिजाइन और मेटालर्जी इंजीनियरिंग में विशेषज्ञता के साथ, दोनों में 10 स्टूडेंट का पहला बैच शामिल रहा। एस्ट्रोनॉमी में एमएससी के साथ 7 स्टूडेंट्स के पहले बैच सहित 58 एमएससी स्टूडेंट्स मौजूद रहे। कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में 6 एमएस (रिसर्च) के स्टूडेंट्स का पहला बैच भी शामिल हुआ।

इन्हें किया गया सम्मानित

संस्थान के चेयरमेन बोर्ड ऑफ गवर्नर्स प्रो. दीपक बी. फाटक ने समारोह की अध्यक्षता की और अध्यक्ष, सीनेट प्रो. नीलेश कुमार जैन ने डिग्री प्रदान की। कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग के सप्तर्षि घोष को सभी यूजी स्टूडेंट्स के बीच सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए भारत के राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की अरुशी जैन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की खुशबू आहूजा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के आगम गुप्ता, सिविल इंजीनियरिंग के शलय गुप्ता और मेटलर्जी इंजीनिरिंग एंड मैटेरियल्स साइंस के आशुतोष गुप्ता को विभिन्न विभागों में सभी यूजी के स्टूडेंट्स के बीच सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए संस्थान रजत पदक से सम्मानित किया गया। एमटेक के मनीष बडोले और एमएससी के, आंचल सक्सेना को भी संस्थान रजत पदक दिया गया। श्रीजा तिवारी, दो साल के मास्टर्स प्रोग्राम्स के सभी स्टूडेंट्स के बीच उ%चतम सीपीआई प्राप्त करने वाली सर्वश्रेष्ठ महिला स्टूडेंट के लिए, बूटी फाउंडेशन गोल्ड मेडल प्राप्त किया। चैतन्य मेहता को डिजाइन और डेवलपेंट ऑफ ट्री क्लाइम्बिंग क्वाड्रुप्ड रोबोट के लिए सर्वश्रेष्ठ बीटेक प्रोजेक्ट से सम्मानित किया गया। सभी स्टूडेंट्स ऑनलाइन मोड के माध्यम से समारोह में शामिल हुए। डिग्री और पुरस्कार प्राप्त करने के लिए विजेता परिसर में मौजूद रहें। सभी पदक विजेता ने मुख्य अतिथि से अपने पदक प्राप्त किए, जबकि सर्वश्रेष्ठ बीटीपी पुरस्कार और डिग्री निदेशक द्वारा दी जाएगी।

यह रहा खास

आईआईटी डिफेंस कोर्स भी शुरु करेगा। सीएफडीएसटी बनेगा। डीआरडीओ और इसरो सहित डिफेंस व स्पेस के विषयों पर यह सेंटर तकनीकी मदद करेगा। एनशियंट इंडियन लैंग्वेज सेंटर बनेगा। यहां पुरातन भारतीय भाषाओं में मौजूद विज्ञान और तकनीकी सहित अन्य जानकारियों को पढ़ाया जाएगा। संस्कृत में भास्कराचार्य की लीलावती कोर्स को मिली सफलता के बाद यह सेंटर खोला जा रहा है।